सीरी ने मनाया 69वां स्थापना दिवस • वक्ता बोले-भूजल के गिरते स्तर का प्रभावी उपचार है प्रीसीजन कृषि

सीरी : वैज्ञानिकों के बनाए 'किसान सखा' एप का लोकार्पण

भास्कर न्यूज | पिलानी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) का 69वां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्रीकर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति प्रोफेसर डॉ. जेएस संधू थे। अध्यक्षता सीएसआईआर के महानिदेशक एवं सचिव डीएसआईआर व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय डॉ. शेखर सी मांडे ने की। केपीआईटी, पुणे के सीईओ एवं संस्थान की अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष रवि पंडित विशिष्ट अतिथि थे। संस्थान निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान द्वारा गतवर्ष अर्जित की गई प्रमुख उपलब्धियों और शोध गतिविधियों की जानकारी दी। अतिथियों ने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा देश के किसानों की सुविधा के लिए विकसित "किसान सखा" एप का लोकार्पण किया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजयसिंह ने किसान सखा एप की जानकारी दी। अतिथियों ने "सटीक कृषि प्रायौगिक स्टेशन" का आभासी दौरा किया। डॉ. सुचंदन पाल, प्रमुख पीएमई ने स्थापना दिवस सेवा पुरस्कारों और पद्मभूषण डॉ. अमरजीत सिंह स्मारक स्थापना दिवस पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की। मुख्य अतिथि डॉ. जेएस संधू ने कृषि को देश की अर्थव्यवस्था का आधार बताते हुए सीरी द्वारा विकसित किए जा रहे प्रीसीजन कृषि प्रायौगिक स्टेशन की सराहना की। उन्होंने 'किसान सखा' एप को भी किसानों के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने सीएसआईआर और आईसीएआर के मिलकर कार्य करने के अपने स्वप्न को साकार होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। भूजल के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए जल के पुनर्चक्रण पर बल दिया और इसके लिए प्रीसीजन कृषि को जरूरी बताया। अंत में उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार दिए। विशिष्ट अतिथि रवि पंडित ने कहा कि वर्तमान युग इलेक्ट्रॉनिक्स का युग है और इसके बिना आज जीवन की कल्पाना नहीं की जा सकती। नई डिजिटल दुनिया में रह रहे हैं जो बेहद इंटेलिजेंट वर्ल्ड है। मुख्य वैज्ञानिक डॉ. पीके खन्ना ने आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ. राजेंद्रकुमार वर्मा व सोम शुक्ला माइति ने किया।

सहकर्मियों को सेवा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया

समारोह के दौरान संस्थान निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने संस्थान में 10, 20, 25, 30 और 35 वर्ष की अनवरत सेवा देने वाले 48 सहकर्मियों को सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इसके साथ ही इस वर्ष से संस्थान के प्रथम निदेशक की स्मृति में आरंभ किए गए डॉ. अमरजीत सिंह स्मारक स्थापना दिवस पुरस्कार भी वितरित किए। इसमें एआई आधारित मुखाकृति पहचान उपस्थिति प्रणाली, ऑक्सीजन प्लांट और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बनाने वाली टीमों के सदस्यों को सम्मानित किया गया। संचालन रमेश बौरा ने किया।